Syllabus and Course Scheme
Academic year 2020-21

B.A. – Hindi
Exam-2021

UNIVERSITY OF KOTA
MBS Marg, Swami Vivekanand Nagar,
Kota - 324 005, Rajasthan, India
Website: uok.ac.in

स्नातक पाठ्यक्रम–हिन्दी साहित्य

आज 193 देशो में हिन्दी की पढाई है। भारत के सम्पूर्ण विश्वविद्यालयों में हिन्दी अनिवार्य एवं हिन्दी–साहित्य के विषय स्नातक एवं स्नातकोतर स्तर पर पढाये जाते है। कोटा विश्वविद्यालय, कोटा का हिन्दी पाठयक्रम स्नातक स्तर पर बहुत अच्छा एवं रोजगार परक है। प्रयोजनमूलक हिन्दी (बी.ए पार्ट द्वितीय,द्वितीय पत्र) पढकर छात्र पत्रकारिता अनुवाद जनसंचार के क्षेत्र में अपना रोजगार के क्षेत्र जहॉ भविष्य तलाश सकते है, वही सफल अनुवादक भी बन सकते है।

प्रथम वर्ष –परीक्षा 2021

प्रश्नपत्र –प्रथम –हिन्दी काव्य

समयावधि– 3 घंटे **पूर्णांक – 100**

नोट : इस प्रश्न पत्र में 03 खण्ड निम्न प्रकार होंगे:

खण्ड अ

इस खण्ड में प्रत्येक इकाई से 02 लघु प्रश्न लेते हुए कुल 10 प्रश्न होंगे। प्रत्येक लघु प्रश्न का उत्तर लगभग 20 शब्दों में हो। कुल अंक – 10

खण्ड ब

इस खण्ड में प्रत्येक इकाई से 2 प्रश्न अथवा व्याख्या लेते हुए कुल 10 प्रश्न अथवा व्याख्याएं होंगी। प्रत्येक इकाई में से एक प्रश्न अथवा व्याख्या का चयन करते हुए कुल 5 प्रश्न अथवा व्याख्या करनी होगी। प्रत्येक प्रश्न अथवा व्याख्या का उत्तर लगभग 250 शब्दों में हो। कुल अंक – 50

खण्ड स

इस खण्ड में 4 प्रश्न वर्णनात्मक होंगे। (प्रश्न में भाग भी हो सकते हैं) जो सभी इकाइयों में से दिये जायेंगे किन्तु प्रत्येक इकाई से एक से अधिक प्रश्न नहीं होगा। 2 प्रश्नों के उत्तर दिये जाने हैं। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 500 शब्दों में हो। कुल अंक – 40

इकाई – प्रथम

1. चन्द्रवरदाई –पृथ्वीराज रासो (लघु संस्करण)
   छन्द संख्या– – 5, 9, 12, 15, 34 60, 62, 69 = 08

(क) निर्धारित कवि

2. कबीरदास (कबीर वाङ्मय : जयदेव सिंह–वासुदेव सिंह, वि.वि. प्र. वाराणसी से)
   साखी : गुरुदेव को अंग –4, 11, 13 ; सुमिरन को अंग – 2, 4, 6, 9 ; विरह को अंग – 3, 6, 12, 29, 35, 40 ; परचा को अंग– 3, 4, 11, 35 ; निहकर्मी पतिव्रता को अंग – 2, 4, 16 कुल 20
   संबद्ध : 48, 114, 137, 146, 168, 179, 218, 285, 297, 325 कुल 10
3. जायसी (जायसी ग्रन्थावली : सं. रामचन्द्र शुक्ल, ना.प्र.स. काशी से) मान सरोदक खंड

इकाई – द्वितीय

4. सूरदास (सूरसागर सार : सं. धीरेन्द्र वर्मा से)
   विनय तथा भक्ति – 2, 10, 21, 23, 25 ; गोकुल लीला – 19 ; वृन्दावन लीला – 13, 42 ; राधा–कृष्ण – 2, 63, 106 ; मथुरा गमन – 58, 68, 93 ; उद्धव सन्देश – 2, 55, 95, 125, 187 ; द्वारका चरित – 50 कुल – 20

5. तुलसीदास (तुलसी ग्रन्थावली (मानसेतर एकादश ग्रन्थ) ना.प्र.स. काशी से)
गीतावली : बालकांड-23, अयोध्या कांड - 54, 62, 87 ; लंकाकांड-7 ;
विनय पत्रिका : 105, 162, 172, 174, 198; कवितावली : अयोध्याकांड - 5, 6, 7, 8, 11, 12, 13, 18, 19, 20, 21, 22, कुल -22

6. रसखान (रसखान रचनावली : सं. विद्यानिवास मिश्र, वाणी प्रकाशन, न.दि.से)
सुजान-रसखान : 2, 3, 7, 10, 13, 18, 27, 55, 56, 73, 75, 80, 101, 112, 128, 129, 147, 150, 178, 225, 237 , कुल-21

7. मीरा (मीरा पदावली : सं. परशुराम चतुर्वेदी, हिन्दी साहित्य सम्मेलन प्रयाग से)
19, 20, 31, 36, 39, 41, 46, 48, 52, 53, 70, 76, 84, 87, 103, 106, 146, 153, 171 - कुल-19

इकाई - तृतीय

(i) नरोत्तम दास - सुदामा-चरित (सम्पूर्ण)

इकाई - चतुर्थ

(ख) हिन्दी साहित्य का इतिहास : आदिकाल एवं भक्तिकाल

इकाई - पंचम

(ग) काव्यांग परिचय :
शब्द-शक्ति : अभिधा, लक्षणा, व्यंजना ।
काव्य-गुण : माधुर्य, ओज, प्रसाद ।
काव्य-दोष : श्रुतिकटुत्व, च्युतसंस्कृति, क्लिष्टत्व, ग्राम्यत्व, अश्लीलत्व, अक्रमत्व, दुष्क्रमत्व, पुनरुक्ति।
अलंकार : यमक, श्लेष, उपमा, रूपक, उत्प्रेक्षा, अतिशयोक्ति, निदर्शना, दीपक, अर्थान्तरन्यास, सन्देह, भ्रान्तिमान, अपह्नुति, दृष्टान्त, व्यतिरेक, विरोधाभास, असंगति, विशेषोक्ति, विभावना, अन्योक्ति।
छन्द : कवित्त, सवैया, दोहा, सोरठा, चौपाई, बरवै, रोला, हरिगीतिका छप्पय, कुंडलिया।

<u>**सहायक ग्रन्थ :**</u>

1. हिन्दी साहित्य का इतिहास - आचार्य रामचन्द्र शुक्ल, ना.प्र.सं. काशी
2. हिन्दी साहित्य का अतीत (भाग-1) आचार्य विश्वनाथ प्रसाद मिश्र, वाणी प्रकाशन, न.दि.
3. काव्य के तत्त्व - आचार्य देवेन्द्रनाथ शर्मा, लोकभारती, इलाहाबाद
4. कविता की पहचान - डॉ0 हनुमानप्रसाद शुक्ल, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, न.दि.

प्रश्न पत्र -द्वितीय- कथा-साहित्य

समयावधि- 3 घंटे **पूर्णांक - 100**

नोट : इस प्रश्न पत्र में 03 खण्ड निम्न प्रकार होंगे :

खण्ड अ

इस खण्ड में प्रत्येक इकाई से 02 लघु प्रश्न लेते हुए कुल 10 प्रश्न होंगे। प्रत्येक लघु प्रश्न का उत्तर लगभग 20 शब्दों में हो। कुल अंक - 10

खण्ड ब

इस खण्ड में प्रत्येक इकाई से 2 प्रश्न अथवा व्याख्या लेते हुए कुल 10 प्रश्न अथवा व्याख्याएं होंगी। प्रत्येक इकाई में से एक प्रश्न अथवा व्याख्या का चयन करते हुए कुल 5 प्रश्न अथवा व्याख्या करनी होगी। प्रत्येक प्रश्न अथवा व्याख्या का उत्तर लगभग 250 शब्दों में हो। कुल अंक - 50

खण्ड स

इस खण्ड में 4 प्रश्न वर्णनात्मक होंगे। (प्रश्न में भाग भी हो सकते हैं) जो सभी इकाइयों में से दिये जायेंगे किन्तु प्रत्येक इकाई से एक से अधिक प्रश्न नहीं होगा। 2 प्रश्नों के उत्तर दिये जाने हैं। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 500 शब्दों में हो। कुल अंक - 40

इकाई - I

कहानियां

1. बंगमहिला - दुलाई वाली
2. प्रेमचन्द - शतरंज के खिलाड़ी
3. जयशंकर प्रसाद - मधुआ
4. जैनेन्द्र कुमार - खेल
5. अज्ञेय - शरणदाता

इकाई - II

1. यशपाल - परदा
2. उषा प्रियंवदा - वापसी
3. अमरकान्त - डिप्टी कलक्टरी
4. यादवेन्द्र शर्मा 'चन्द्र' - मेंहदी के फूल
5. नासिरा शर्मा - सरहद के इस पार

इकाई - III

उपन्यास - भगवती चरण वर्मा - चित्रलेखा

इकाई - IV

हिन्दी कहानी एवं उपन्यास का इतिहास

इकाई - V

कहानी एवं उपन्यास विधा : स्वरूप एवं तत्त्व

<u>सहायक ग्रन्थ :</u>

1. कहानी : नयी कहानी - डॉ. नामवर सिंह, लोकभारती, इलाहाबाद
2. हिन्दी कहानी : अन्तरंग पहचान - डॉ0 रामदरश मिश्र, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, न.दि.
3. हिन्दी उपन्यास : एक अन्तर्यात्रा : डॉ0 रामदरश मिश्र, राजकमल, नं.दि.
4. कथाकार वृन्दावन लाल वर्मा - डॉ0 शशिभूषण सिंहल, हरियाणा साहित्य अकादमी, चंडीगढ़

बी.ए. पार्ट द्वितीय 2021

हिन्दी साहित्य

प्रथम प्रश्नपत्र–(हिन्दी काव्य)

समयावधि – 3 घण्टे   पूर्णांक – 100

नोट – इस प्रश्नपत्र में 03 खण्ड होंगेः–

खण्ड अ – इस खण्ड में प्रत्येक इकाई से दो लघु प्रश्न लेते हुए कुल 10 अनिवार्य प्रश्न होंगे। प्रत्येक लघु प्रश्न का उत्तर लगभग 20 शब्दों में हो।   कुल अंक – 10

खण्ड ब – इस खण्ड में प्रत्येक इकाई से दो प्रश्न अथवा व्याख्या लेते हुए कुल दस प्रश्न अथवा व्याख्याएँ होगी। प्रत्येक इकाई में से एक प्रश्न अथवा व्याख्या का चयन करते हुए कुल पॉच प्रश्न अथवा व्याख्याएँ करनी होगी। प्रत्येक प्रश्न अथवा व्याख्या का उत्तर लगभग 250 शब्दों में हो।   कुल अंक – 50

खण्ड स – इस खण्ड में 4 प्रश्न वर्णनात्मक होंगे (प्रश्न में भाग भी हो सकते है), जो सभी इकाइयों में से दिये जायेंगे किन्तु प्रत्येक इकाई से एक से अधिक प्रश्न नहीं होगा। दो प्रश्नों के उत्तर दिये जाने है। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 500 शब्दों में हो।   कुल अंक–40

इकाई – I

निर्धारित कवि

1. केशवदास (संक्षिप्त रामचिन्द्रका : सं. लाला भगवान दीन, ना. प्र.स. काशी)

बाल कांड	–	2, 3, 80, 172, 192, 193
अयोध्या कांड	–	25, 31, 39,
अरण्य कांड	–	18
सुन्दर कांड	–	15, 16, 34, 35, 55, 57
लंका कांड	–	3, 4, 19, 20, 21, 133, 134, 147
उत्तर कांड	–	121

2. बिहारी (बिहारी रत्नाकरः जगन्नाथ दास रत्नाकर द्वारा संपादित)
   1, 7, 8, 9, 20, 27, 32, 34, 41, 51, 52, 60, 61, 62, 69, 70, 94, 95, 121, 191, 201, 225, 255, 301, 317, 347, 361, 363, 384, 472, 576, 583, 588, 642, 681,

इकाई – II

1. घनानन्द (घनानन्द कवित्त सं. विश्वनाथ प्रसाद मिश्र संजय बुक सेन्टर, वाराणसी)
   2, 3, 4, 5, 6, 9, 12, 13, 14, 15, 27, 60, 66, 68, 70, 73, 75, 82, 84, 97,
2. भूषण (भूषण ग्रन्थावली सं. विश्वनाथ प्रसाद मिश्र, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली)
   411,412,420,421,428,429,431,432,437,443,451,463,477,478,480,510,512,546,548,551,561,586,

3. सूर्यमल्ल मिश्रण - वीर सतसई प्रारंम्भ के 50 छन्द

इकाई - III

जगन्नाथदास रत्नाकार - उद्धव शतक (सम्पूर्ण)

इकाई - IV

हिन्दी साहित्य का इतिहास - रीतिकाल

इकाई - V

1. काव्य रीति
2. रस- रस का स्वरूप, अवयव एवं रस लक्षण, विश्लेषण एवं निष्पति।
3. हिन्दी के प्रमुख रीति आचार्य एवं उनका चिन्तन।

सहायक ग्रन्थ -

1. हिन्दी साहित्य का अतीत (भाग-2) आचार्य विश्वनाथ प्रसाद मिश्र, वाणी प्रकाशन नई दिल्ली
2. रीति काव्य की भूमिका- डॉ. नगेन्द्र, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली
3. हिन्दी साहित्य का इतिहास; रीतिकाल आचार्य रामचन्द्र शुकल।

द्वितीय प्रश्नपत्र- प्रयोजनमूलक हिन्दी

समयावधि - 3 घण्टे   पूर्णांक - 100

नोट - इस प्रश्नपत्र में 03 खण्ड होंगे:-

खण्ड अ - इस खण्ड में प्रत्येक इकाई से दो लघु प्रश्न लेते हुए कुल 10 अनिवार्य प्रश्न होंगे। प्रत्येक लघु प्रश्न का उत्तर लगभग 20 शब्दों में हो।   कुल अंक - 10

खण्ड ब - इस खण्ड में प्रत्येक इकाई से दो प्रश्न अथवा व्याख्या लेते हुए कुल दस प्रश्न अथवा व्याख्याएँ होंगी। प्रत्येक इकाई में से एक प्रश्न अथवा व्याख्या का चयन करते हुए कुल पॉच प्रश्न अथवा व्याख्याएँ करनी होगी। प्रत्येक प्रश्न अथवा व्याख्या का उत्तर लगभग 250 शब्दों में हो।   कुल अंक - 50

खण्ड स - इस खण्ड में 4 प्रश्न वर्णनात्मक होंगे (प्रश्न में भाग भी हो सकते हैं), जो सभी इकाइयों में से दिये जाएंगे किन्तु प्रत्येक इकाई से एक से अधिक प्रश्न नहीं होगा। दो प्रश्नों के उत्तर दिये जाने हैं। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 500 शब्दों में हो।   कुल अंक-40

इकाई - I

1. प्रयोजनमूलक हिन्दी अभिप्राय और क्षेत्र
2. पत्रकारिता - रूप और प्रकार
   पत्रकार वार्ता
   हिन्दी पत्रकारिता का संक्षिप्त इतिहास
   प्रमुख पत्र पत्रिकाएँ और पत्रकार

इकाई - II

1. सम्पादन कला
   सम्पादकीय लेखन
   रिपोर्टिंग
   प्रूफ - शोधन
   साक्षात्कार
   प्रेस प्रबन्धन
   प्रेस कानून और आचार संहिता

इकाई - III

1. संचार माध्यम लेखन
   संचार माध्यम का स्वरूप मुद्रण, श्रव्य, दृश्य, इंटरनेट।
   संचार माध्यमों की प्रकृति और चरित्र
   विज्ञापन लेखन - उद्देश्य और स्वरूप तथा मासिक - विन्यास।
   रेडियो लेखन - श्रव्य भाषा की प्रकृति, रेडियो लेखन के विविध पक्ष-उद्घोषणा, समाचार, नाटक एवं रूपक, फीचर, रिपोर्ट, संयोजन

इकाई - IV

1. टेलीविजन एवं फिल्म लेखन-दृश्य माध्यमों की भाषा और सामग्री संयोजन, पार्श्ववाचन, पटकथा-लेखन, संवाद लेखन टेलीड्रामा एवं डॉक्यूमेंटरी, साहित्यिक कृतियों का दृश्यमाध्यमों में रूपान्तरण।
2. इन्टरनेट :- सामग्री - सृजन एवं संयोजन

इकाई - V

1. अनुवाद-महत्त्व और स्वरूप, प्रक्रिया, प्रकार
   अनुवाद और समतुल्यता
   अनुवाद समीक्षा
   अनुवाद की प्रकृति
   अनुवाद की समस्याएँ -
   पारिभाषिक शब्दावली के अनुवाद की समस्याएँ, साहित्यानुवाद की समस्याएँ

सहायक ग्रन्थ

1. आधुनिक पत्रकारिता - डॉ. अर्जुन तिवारी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी
2. हिन्दी पत्रकारिता - डॉ. कृष्णबिहारी मिश्र, भारतीय ज्ञानपीठ, नई दिल्ली
3. पत्रकारिता के नये परिप्रेक्ष्य - राजकिशोर, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
4. मीडिया लेखन - सुमित मोहन, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
5. पटकथा लेखन:एक परिचय, - मनोहर श्याम जोशी, राजकमल, नई दिल्ली
6. फीचर लेखन :स्वरूप और शिल्प- डॉ. मनोहर प्रभाकर राधाकृष्ण, नई दिल्ली
7. अनुवाद सिद्धांत की रूपरेखा - डॉ. सुरेश कुमार वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
8. अनुवाद: सिद्धांत और समस्याएँ - डॉ. रविन्द्र नाथ श्रीवास्तव, डॉ. कृष्णकुमार गोस्वामी, आलेख प्रकाशन, नई दिल्ली
9. अनुवाद : सिद्धांत एवं प्रयोग - डॉ. जी. गोपीनाथन, लोकभारती इलाहाबाद

बी.ए. भाग–तृतीय परीक्षा–2021

हिन्दी साहित्य

प्रश्नपत्र –प्रथम –हिन्दी काव्य–3 (आधुनिक हिन्दी कविता)

समयावधि– 3 घंटे **पूर्णांक – 100**

नोट : इस प्रश्न पत्र में 03 खण्ड निम्न प्रकार होंगे :

खण्ड अ

इस खण्ड में प्रत्येक इकाई से 02 लघु प्रश्न लेते हुए कुल 10 प्रश्न होंगे। प्रत्येक लघु प्रश्न का उत्तर लगभग 20 शब्दों में हो। कुल अंक – 10

खण्ड ब

इस खण्ड में प्रत्येक इकाई से 2 प्रश्न अथवा व्याख्या लेते हुए कुल 10 प्रश्न अथवा व्याख्याएँ होंगी। प्रत्येक इकाई में से एक प्रश्न अथवा व्याख्या का चयन करते हुए कुल 5 प्रश्न अथवा व्याख्या करनी होगी। प्रत्येक प्रश्न अथवा व्याख्या का उत्तर लगभग 250 शब्दों में हो। कुल अंक – 50

खण्ड स

इस खण्ड में 4 प्रश्न वर्णनात्मक होंगे। (प्रश्न में भाग भी हो सकते हैं) जो सभी इकाइयों में से दिये जायेंगे किन्तु प्रत्येक इकाई से एक से अधिक प्रश्न नहीं होगा। 2 प्रश्नों के उत्तर दिये जाने हैं। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 500 शब्दों में हो। कुल अंक – 40

इकाई– प्रथम

(क) निर्धारित कवि

1. मैथिलीशरण गुप्त –
   - (i) द्वापर से – विधृता
   - (ii) यशोधरा से – यशोधरा 5 एवं 6
2. जयशंकर प्रसाद –
   आँसू से – 19 छन्द (नाविक – इस सूने तट पर .... है खेल आँख का मनका)
   लहर से – 3 गीत एवं 1 कविता
   - (i) ले चल वहाँ भुलावा देकर
   - (ii) बीती विभावरी जाग री
   - (iii) मेरी आँखों की पुतली में
   - (iv) एक कविता –3
     पेशोला की प्रतिध्वनि
3. सूर्यकान्त त्रिपाठी 'निराला'
   - (i) जूही की कली ("परिमल" से)
   - (ii) बादल–राग –6 ("परिमल" से)
   - (iii) तोड़ती पत्थर ("अनामिका" से)
   - (iv) स्नेह निर्झर बह गया है ("अणिमा" से)

इकाई– द्वितीय

4. सुमित्रानन्दन पन्त –
   - (i) प्रथम रश्मि ("वीणा" से)

(ii) आँसू की बालिका ("पल्लव" से)

(iii) मौन निमंत्रण ("पल्लव" से)

(iv) द्रुत झरो ("युगान्त" से)

(अ) आः धरती कितना देती है ("अतिमा" से)

5. महादेवी वर्मा -

(i) जो तुम आ जाते एक बार

(ii) कौन तुम मेरे हृदय में

(iii) मधुर मधुर मेरे दीपक जल

(iv) मैं नीर भरी दुख की बदली

6. नागार्जुन -

(i) सिन्दूर तिलकित भाल (ii) हरिजन-गाथा

(iii) सत्य (iv) बहुत दिनों के बाद

इकाई -तृतीय

7. सच्चिदानन्द हीरानन्द वात्स्यायन ''अज्ञेय''-

(i) आज थका हिय हारिल मेरा (ii) सागर-मुद्रा -2

(iii) नदी के द्वीप (iv) कितनी नावों में कितनी बार

8. गजानन माधव मुक्तिबोध -

(i) ब्रह्मराक्षस (ii) कल जो हमने चर्चा की थी

9. धूमिल -

(i) मोचीराम (ii) पटकथा

10. रघुवीर सहाय -

(i) रामदास (ii) अधिनायक

(iii) आत्महत्या के विरुद्ध

इकाई-चतुर्थ

(ख) आधुनिक हिन्दी कविता का इतिहास : वाद और प्रवृत्तियाँ

इकाई-पंचम

(ग) आधुनिक हिन्दी कविता के वैचारिक आधार एवं तत्त्व-मानववाद, विकासवाद, आधुनिकता, मार्क्सवाद, मनोविश्लेषण, अस्तित्ववाद, फैंटेसी, मिथक, प्रतीक

<u>सहायक ग्रन्थ :</u>

1. हिन्दी साहित्य का इतिहास - सं. डॉ0 नगेन्द्र, मयूर पेपरबैक्स, नोएडा

2. हिन्दी साहित्य का दूसरा इतिहास - डॉ0 बच्चन सिंह, राधाकृष्ण, नयी दिल्ली

3. आधुनिक साहित्य की प्रवृत्तियाँ - डॉ0 नामवर सिंह, लोकभारती, इलाहाबाद

4. हिन्दी आलोचना के बीज शब्द - डॉ0 बच्चन सिंह, वाणी, नं. दि.

प्रश्नपत्र –द्वितीय
नाटक ओर निबंध

समयावधि– 3 घंटे **पूर्णांक – 100**

नोट : इस प्रश्न पत्र में 03 खण्ड निम्न प्रकार होंगे :

खण्ड अ

इस खण्ड में प्रत्येक इकाई से 02 लघु प्रश्न लेते हुए कुल 10 प्रश्न होंगे। प्रत्येक लघु प्रश्न का उत्तर लगभग 20 शब्दों में हो।

कुल अंक – 10

खण्ड ब

इस खण्ड में प्रत्येक इकाई से 2 प्रश्न अथवा व्याख्या लेते हुए कुल 10 प्रश्न अथवा व्याख्याएं होंगी। प्रत्येक इकाई में से एक प्रश्न अथवा व्याख्या का चयन करते हुए कुल 5 प्रश्न अथवा व्याख्या करनी होगी। प्रत्येक प्रश्न अथवा व्याख्या का उत्तर लगभग 250 शब्दों में हो।

कुल अंक – 50

खण्ड स

इस खण्ड में 4 प्रश्न वर्णनात्मक होंगे। (प्रश्न में भाग भी हो सकते हैं) जो सभी इकाइयों में से दिये जायेंगे किन्तु प्रत्येक इकाई से एक से अधिक प्रश्न नहीं होगा। 2 प्रश्नों के उत्तर दिये जाने हैं। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 500 शब्दों में हो।

कुल अंक – 40

पाठ्यक्रमः

इकाई–प्रथम

(क) नाटक
भारत दुर्दशा – भारतेन्दु हरिश्चन्द्र
ध्रुवस्वामिनी – जयशंकर प्रसाद

इकाई–द्वितीय

(ख) निबन्ध – संग्रह : 10 निबन्ध

(i) बालकृष्ण भट्ट – साहित्य जन–समूह के हृदय का विकास है
(ii) चन्द्रधर शर्मा "गुलेरी" – धर्म और समाज
(iii) रामचन्द्र शुक्ल – उत्साह
(iv) हजारीप्रसाद द्विवेदी – देवदारु
(v) महादेवी वर्मा – प्रणाम

इकाई–तृतीय

(vi) अज्ञेय – सौन्दर्यबोध और शिवत्वबोध
(vii) हरिशंकर परसाई – भोलाराम का जीव
(viii) निर्मल वर्मा – भारतीय संस्कृति और राष्ट्र
(ix) विद्या निवास मिश्र – हल्दी–दूब और दधि–अच्छत
(x) कुबेरनाथ राय – मधुर–मधुर रसराज

इकाई–चतुर्थ

(ग) हिन्दी नाटक एवं रंगमंच तथा निबन्ध का इतिहास

इकाई – पंचम

(घ) (i) नाटक की विधा और उसके तत्त्व
(ii) निबन्ध विधा – स्वरूप और शैलियाँ

सहायक ग्रन्थ :

1. हिन्दी नाटक – डॉ0 बच्चन सिंह, राधाकृष्ण, नयी दिल्ली
2. प्रसाद के नाटक – डॉ0 सिद्धनाथ कुमार, अनुपम प्रकाशन, पटना
3. हिन्दी का गद्य साहित्य – डॉ0 रामचन्द्र तिवारी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी